

सम्पादकीय

धरोहर सांस्कृतिक कार्यक्रम

लखनऊ शहर का एक खास आकर्षण है संसीट नाटक अकादमी। बाद एम गायक कलाकारों के दुर्लभ कार्यक्रमों का अयोजन करता है। लखनऊ के लोगों की इस क्षेत्र के सांस्कृतिक, संसारीक मूर्खों को शान्त करता रहता है। दुर्लभ कलाकारों का आना जाना यहां लगा रहता है। अभी संसीट नाटक अकादमी का स्थापना विवेस मनाया गया। अयोजन गोमती नगर स्थित अकादमी परिसर के संग गड़े जी महाराज प्रेस्ट्राइट में परम्परा अनुवाद किया गया। औपचारिक निभाते हुए फहले दिया प्रज्ञवलित किया गया, इसके बाद अकादमी के निदेशक डा. शोभित कुमार नाथर ने समारोह की मुख्य अतिथि लोक गीतों की मशहूर गायिका मालिनी अवस्थी का स्वागत अधिननदन किया। साथ ही आर्मिन्ट्रॉट मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश अवस्थी, आर्मिन्ट्रॉट शासीय गायिका को चक्रवर्ती का भी स्वागत अधिननदन किया। इस अवसर पर विशेष संस्कृति और पर्फॉर्म के मुख्य संचिव मुकेश श्रावं परिशिष्ट अतिथि रहे। इनके अलावा दूसरे आर्मिन्ट्रॉट अतिथियों में समाज कल्याण के प्रमुख संचिव डा. हरिंओं भरारखन्डे संस्कृति विश्वविद्यालय की कृतलाली प्रा. मन्दवी सिंह, संस्कृति के विशेष संचिव राकेश चन्द्र शर्मा, होमगार्ड के अपर मुख्य संचिव अनिल कुपर, प्रेस्ट्राइट संसीट नाटक अकादमी की पूर्व अध्यक्ष पूर्णिमा पांडे सहित अन्य दूसरे संगीत के ममझ भी शामिल रहे। शहर के प्रमुख नौकरशाह, संगीत के ममझ विद्वानों और अप कलदानों की उपस्थिति से कार्यक्रम के रैनक को चार चाँद लग रहा था। लखनऊ कल्याणों के उपस्थिति से अवसर के महल को और उनके परिचकरियों के उपस्थिति से अवसर के महल को और उनके संगीती रुझान के समझा जा सकता है। यहां बाहर के कलाकार आकर अपना जान, संसीट और सुनन को सुधारते रहते हैं। ऐसे लोगों को फिस्ती चाह भी यहां पूरी होती है और शस्त्रीय संगीत का जान भी पूरा होता है। जो बाद में इन्स्प्रेस्टेल और मैटिक गायन के नामी कलाकार होकर कला की दुनिया में अपनी चम्पक विषेषता रहते हैं। यही लोगों तथा गजल के बजदानों की गौरव इन लोगों तथा यहां के बजदानों की बजह से जगमता रहता है।

कार्यक्रम का संचालन अलका निषेधन ने किया। कार्यक्रम में बादक साथी मशहूर तबला बादक औजस अदया, संसारी बादक मुराद अली और हारमीनिया बादक जोनी होते हैं। कंठ और बादा का ऐसा स्वर्गीक संग यदा कदा सुनने और देखने को मिलता है। कौशिकी चक्रवर्ती का परिचय हलाकि औपरिचारिकता का निर्वाचन होता है। चक्रवर्ती मैटम हिंदुस्तानी शासीय गायन की अविनिय कलाकार है कार्यक्रम में उनका साथ उनके पुत्र देवीका से भी प्रभावी साथ दिया। कार्यक्रम की शुरुआत मैटम देवीका चक्रवर्ती साल 2020 में नारी शक्ति पुरस्कार से समिति है। इस अवसर को अपरिचित शासीय गायिका कोलाकारों से पटियाला घरने की गायिका विद्वानी चक्रवर्ती ने अपने कंठस्तरों का ऐसा जाद विद्युत की अभी लोग इस यादगार कार्यक्रम की चर्चा करते थक नहीं रहे हैं। ख्याल से लेकर उम्री तक प्रभावी स्वर में पेश करने वाली कौशिकी चक्रवर्ती शासीय और उत्तराशीय गायन की अविनिय कलाकार है।

इस कार्यक्रम में बादक संचालन अलका निषेधन ने किया। कार्यक्रम में बादक साथी मशहूर तबला बादक औजस अदया, संसारी बादक मुराद अली और हारमीनिया बादक जोनी होते हैं। कंठ और बादा का ऐसा स्वर्गीक संग यदा कदा सुनने और देखने को मिलता है। कौशिकी चक्रवर्ती का परिचय हलाकि औपरिचारिकता का निर्वाचन होता है। चक्रवर्ती मैटम हिंदुस्तानी शासीय गायन की अविनिय पुरस्कार अजल चक्रवर्ती की सुपुत्री है। कौशिकी चक्रवर्ती ने अपने जाने वाली कौशिकी चक्रवर्ती का एसो जाद विद्युत है। उनके अलावा संस्कृतिक कला और संसारीत का गौरव इन लोगों तथा यहां के बजदानों की बजह से जगमता रहता है।

गहराती रात में स्वर और संगीत का संगम तथा कद्रानों के तवियत और उपस्थिति रहने वाले अमजदों ने इस अयोजन की गिरायी को चार चाद लगा दिया। बेसिनी से दूरे स्तरों का अल्टिविंग को हक्रकर चलते बने चर्चा करते हुये। धरोहर संस्कृति का आयोजित और प्रायोजित कार्यक्रमों में ही मिलता है जिसमें अमजदों के कला की कौशिकी है।

एनसीआरबी के आंकड़े भी महिलाओं के खिलाफ आपाराधिक घटनाओं में वृद्धि को स्पष्ट करते हैं। इन अपराधों में बलात्कार, घरेलू हिंसा, मारपीट, दूषित प्रताङ्गना, एसिड हमला, अपहण, मानव तकरी, साइबर अपराध और कार्यस्थल पर उत्पीड़न आदि शामिल हैं। एनसीआरबी के आंकड़े के अनुसार 2017 में भारत में कुल 32,559 बलात्कार हुए, जिसमें 93.1 प्रतिशत आरोपी

हिंसामुक्त नारी समाज का सपना अधूरा क्यों?

एनसीआरबी के आंकड़े भी महिलाओं के खिलाफ आपाराधिक घटनाओं में वृद्धि को स्पष्ट करते हैं। इन अपराधों में बलात्कार, घरेलू हिंसा, मारपीट, दूषित प्रताङ्गना, एसिड हमला, अपहण, मानव तकरी, साइबर अपराध और कार्यस्थल पर उत्पीड़न आदि शामिल हैं। एनसीआरबी के आंकड़े के अनुसार 2017 में भारत में कुल 32,559 बलात्कार हुए, जिसमें 93.1 प्रतिशत आरोपी

एनसीआरबी के आंकड़े भी महिलाओं के खिलाफ आपाराधिक घटनाओं में वृद्धि को स्पष्ट करते हैं। इन अपराधों में बलात्कार, घरेलू हिंसा, मारपीट, दूषित प्रताङ्गना, एसिड हमला, अपहण, मानव तकरी, साइबर अपराध और कार्यस्थल पर उत्पीड़न आदि शामिल हैं। एनसीआरबी के आंकड़े के अनुसार 2017 में भारत में कुल 32,559 बलात्कार हुए, जिसमें 93.1 प्रतिशत आरोपी

एनसीआरबी के आंकड़े भी महिलाओं के खिलाफ आपाराधिक घटनाओं में वृद्धि को स्पष्ट करते हैं। इन अपराधों में बलात्कार, घरेलू हिंसा, मारपीट, दूषित प्रताङ्गना, एसिड हमला, अपहण, मानव तकरी, साइबर अपराध और कार्यस्थल पर उत्पीड़न आदि शामिल हैं। एनसीआरबी के आंकड़े के अनुसार 2017 में भारत में कुल 32,559 बलात्कार हुए, जिसमें 93.1 प्रतिशत आरोपी

एनसीआरबी के आंकड़े भी महिलाओं के खिलाफ आपाराधिक घटनाओं में वृद्धि को स्पष्ट करते हैं। इन अपराधों में बलात्कार, घरेलू हिंसा, मारपीट, दूषित प्रताङ्गना, एसिड हमला, अपहण, मानव तकरी, साइबर अपराध और कार्यस्थल पर उत्पीड़न आदि शामिल हैं। एनसीआरबी के आंकड़े के अनुसार 2017 में भारत में कुल 32,559 बलात्कार हुए, जिसमें 93.1 प्रतिशत आरोपी

एनसीआरबी के आंकड़े भी महिलाओं के खिलाफ आपाराधिक घटनाओं में वृद्धि को स्पष्ट करते हैं। इन अपराधों में बलात्कार, घरेलू हिंसा, मारपीट, दूषित प्रताङ्गना, एसिड हमला, अपहण, मानव तकरी, साइबर अपराध और कार्यस्थल पर उत्पीड़न आदि शामिल हैं। एनसीआरबी के आंकड़े के अनुसार 2017 में भारत में कुल 32,559 बलात्कार हुए, जिसमें 93.1 प्रतिशत आरोपी

एनसीआरबी के आंकड़े भी महिलाओं के खिलाफ आपाराधिक घटनाओं में वृद्धि को स्पष्ट करते हैं। इन अपराधों में बलात्कार, घरेलू हिंसा, मारपीट, दूषित प्रताङ्गना, एसिड हमला, अपहण, मानव तकरी, साइबर अपराध और कार्यस्थल पर उत्पीड़न आदि शामिल हैं। एनसीआरबी के आंकड़े के अनुसार 2017 में भारत में कुल 32,559 बलात्कार हुए, जिसमें 93.1 प्रतिशत आरोपी

एनसीआरबी के आंकड़े भी महिलाओं के खिलाफ आपाराधिक घटनाओं में वृद्धि को स्पष्ट करते हैं। इन अपराधों में बलात्कार, घरेलू हिंसा, मारपीट, दूषित प्रताङ्गना, एसिड हमला, अपहण, मानव तकरी, साइबर अपराध और कार्यस्थल पर उत्पीड़न आदि शामिल हैं। एनसीआरबी के आंकड़े के अनुसार 2017 में भारत में कुल 32,559 बलात्कार हुए, जिसमें 93.1 प्रतिशत आरोपी

एनसीआरबी के आंकड़े भी महिलाओं के खिलाफ आपाराधिक घटनाओं में वृद्धि को स्पष्ट करते हैं। इन अपराधों में बलात्कार, घरेलू हिंसा, मारपीट, दूषित प्रताङ्गना, एसिड हमला, अपहण, मानव तकरी, साइबर अपराध और कार्यस्थल पर उत्पीड़न आदि शामिल हैं। एनसीआरबी के आंकड़े के अनुसार 2017 में भारत में कुल 32,559 बलात्कार हुए, जिसमें 93.1 प्रतिशत आरोपी

एनसीआरबी के आंकड़े भी महिलाओं के खिलाफ आपाराधिक घटनाओं में वृद्धि को स्पष्ट करते हैं। इन अपराधों में बलात्कार, घरेलू हिंसा, मारपीट, दूषित प्रताङ्गना, एसिड हमला, अपहण, मानव तकरी, साइबर अपराध और कार्यस्थल पर उत्पीड़न आदि शामिल हैं। एनसीआरबी के आंकड़े के अनुसार 2017 में भारत में कुल 32,559 बलात्कार हुए, जिसमें 93.1 प्रतिशत आरोपी

एनसीआरबी के आंकड़े भी महिलाओं के खिलाफ आपाराधिक घटनाओं में वृद्धि को स्पष्ट करते हैं। इन अपराधों में बलात्कार, घरेलू हिंसा, मारपीट, दूषित प्रताङ्गना, एसिड हमला, अपहण, मानव तकरी, साइबर अपराध और कार्यस्थल पर उत्पीड़न आदि शामिल हैं। एनसीआरबी के आंकड़े के अनुसार 2017 में भारत में कुल 32,559 बलात्कार हुए, जिसमें 93.1 प्रतिशत आरोपी

एनसीआरबी के आंकड़े भी महिलाओं के खिलाफ आपाराधिक घटनाओं में वृद्धि को स्पष्ट करते हैं। इन अपराधों में बलात्कार, घरेलू हिंसा, मारपीट, दूषित प्रताङ्गना, एसिड हमला, अपहण, मानव तकरी, साइबर अपराध और कार्यस्थल पर उत्पीड़न आदि शामिल हैं। एनसीआरबी के आंकड़े के अनुसार 2017 में भारत में कुल 32,559 बलात्कार हुए, जिसमें 93.1 प्रतिशत आरोपी

एनसीआरबी के आंकड़े भी महिलाओं के खिलाफ आपाराधिक घटनाओं में वृद्धि को स्पष्ट करते हैं। इन अपराधों में बलात्कार, घरेलू ह

घरेलू नुस्खे

स्ट्रैक्स के हैं शौकीन तो कच्चे आलू की बनाएं
ये टेस्टी रेसिपी, मेहमान भी करेंगे तारीफ

अगर आप भी मेहमानों के लिए डिटेल्स बन जाने वाली कोई रेसिपी की तलाश में हैं, तो आज हम आपके साथ आलू की मदद से बनने वाले स्ट्रैक्स की रेसिपी शेयर करने जा रहे हैं। इन्हें खाकर मेहमान भी खुद को आपकी तरीफ करने से नहीं रोक पाएंगे।

अबस्ट्रैक्स हमारे घर पर अचानक से जब मेहमान आ जाते हैं, तो कई बार हमें वह समझ नहीं आता कि उक्ता नास्ते में क्या खिलाएं। आगे आप भी मेहमानों के लिए डाइटर बन जाने वाली कई रेसिपी की तलाश में हैं, तो यह आटिकल आपके लिए है।

आज इस अटिकल के जरिए हम आपके साथ आलू की मदद से बनने वाले स्ट्रैक्स की रेसिपी शेयर करने जा रहे हैं। हम बनाने में भी काफी आसान है और इन्हें खाकर मेहमान भी खुद को आपकी तरीफ करने से नहीं रोक पाएंगे। तो आइए जानें हैं कच्चे आलू की इन्हें रेसिपी को बनाने का तरीका...।

कच्चे आलू के स्ट्रैक्स सामग्री
मीडियम साइज के कच्चे आलू - 4 या 5



कर्न टार्टर्स 2 चम्च

मैट्र 2 चम्च

बारीक कटी हरी मिर्च 2 या 3

बारीक कटा हरा धनिया

नक स्ट्रैक्सर

ऐसे बनाकर करेंगे

आलू के बोनेक बनाने के लिए आलू को छील लें और इसको पानी में ही गेट करें।

इससे बहुत काफी रेसिपी को अच्छे से खो दें।

फिर दो तीन बाले से थोक कराकर जलाएं।

इसके बाद ग्रेट करें। इस तैयार आम रखें।

जैसा कि आप सभी जानते हैं सरसों के

किए हुए आलू में सोरे मसाले विकस कर ले।

आप चाहें तो अपने हिंसाब से चिली पत्तेक भी ढाल सकते हैं। फिर इसमें एक चम्च मैट्र और कर्न टार्टर्स स्ट्रैक्स के लिए रख दें।

लेकिन आप आपको यह ज्यादा गीला लग रहा है, तो आप इसमें थोक और मैट्र व स्ट्रैक्स दोनों बोलना मात्रा में मिला होगा।

फिर अपनी पसंद का खास रुखाल रखना पड़ता है।

क्योंकि इस मौसम में सर्दी-जुकाम व खासी आदि अपनी सेहत का खास रुखाल रखना पड़ता है।

वहाँ सर्दी से बचने के लिए कई रुखें हैं।

वहाँ सर्दी से बचने के लिए आलू को छील लें और इसको पानी में ही गेट करें।

इससे फले आलू को अच्छे से खो दें।

फिर दो तीन बाले से थोक कराकर जलाएं।

जैसा कि आपको इन्हें पहले लो पल्स में खो दें।

सर्सों का तेल है कारगर

सर्दियों में खासी-जुकाम होने पर काम में ज्यादा मन नहीं लगता है। सर्दियों के मौसम में दादी-नानी के नुस्खे काफी याद आते हैं। सर्दियों में हमारी दादी-नानी कई ऐसे नुस्खे आजमाती थीं, जिनमें हम सर्दी में बार-बार बीमार नहीं पड़ते थे।

सर्दियों के मौसम में हम सभी लोगों के अंदर ज्यादा अलास आ जाता है। वहाँ इस दौदी सर्दी के कारण रुकाव व कंबल से बहार निकलने का मन नहीं होता है। लेकिन सर्दी के मौसम में अपनी सेहत का खास रुखाल रखना पड़ता है। क्योंकि इस मौसम में सर्दी-जुकाम व खासी आदि अपनी सेहत से हो जाती है।

वहाँ सर्दी से बचने के लिए कई रुखें हैं। वर्तमान समय में भी यह नुस्खे काफी ज्यादा कारगर है। ऐसे में अगर आप भी सर्दी से होकर खुद को फिट और हेल्दी रखना चाहते हैं, तो आप इससे बचने के लिए खास रुखाल खाना चाहते हैं।

जैसा कि आपको इन्हें पहले लो पल्स में खो दें।

सर्सों का तेल है कारगर

जैसा कि आप सभी जानते हैं सरसों के

सारा स्ट्रैक्स साफ हो जाएगा। इसके बाद ग्रेट

जैसा कि आपको इन्हें पहले लो पल्स में खो दें।



तेल में औषधीय गुण पाए जाते हैं। वहाँ हमरे चाहिए। फिर इस तेल से पैरों की मालिश करनी चाहिए। इससे आपको पैर दर्द में भी राहत मिलेगी।

लॉग का तेल है फायदेमंद

हमारी दादी-नानी अक्सर लॉग के गुणों का बराबर करती थीं। वहाँ सर्दी को कम करने में से पैरों के तेल में लहसुन की चाहिए। इससे लॉग के गुणों का बराबर करती थीं। वहाँ सर्दी के लिए दादी-नानी का यह नुस्खा गमालूण इलाज है। ऐसे लॉगों को मसरों के तेल में लहसुन की चाहिए।

जैसा कि आप मेथी डालकर पका लेना

चाहिए। फिर इस तेल से पैरों की मालिश करनी चाहिए। इससे आपको पैर दर्द में भी राहत मिलेगी।

लॉग का तेल है फायदेमंद

हमारी दादी-नानी अक्सर लॉग के गुणों का बराबर करती थीं। वहाँ सर्दी को कम करने में से पैर दर्द और गैरिया से नहीं में जकड़न की

समस्या होती है। और इससे बहारी स्किन को बढ़ावा देती है।

पैट की समस्याओं के लिए गमालूण है

है अदरक

दादी-नानी का यह नुस्खा काफी कारगर है। शहद और अदरक को औषधीय गुण पाए जाते हैं। शहद और अदरक को एक साथ खिलाने में भी राहत मिलती है।

हमारी दादी-नानी अक्सर लॉग के गुणों का बराबर करती थीं। वहाँ सर्दी को कम करने में से पैर दर्द और गैरिया से नहीं में जकड़न की

समस्या होती है। और इससे बहारी स्किन को बढ़ावा देती है।

पैट की समस्या होती है। और इससे बहारी स्किन को बढ़ावा देती है।

पैट की समस्या होती है। और इससे बहारी स्किन को बढ़ावा देती है।

पैट की समस्या होती है। और इससे बहारी स्किन को बढ़ावा देती है।

पैट की समस्या होती है। और इससे बहारी स्किन को बढ़ावा देती है।

पैट की समस्या होती है। और इससे बहारी स्किन को बढ़ावा देती है।

पैट की समस्या होती है। और इससे बहारी स्किन को बढ़ावा देती है।

पैट की समस्या होती है। और इससे बहारी स्किन को बढ़ावा देती है।

पैट की समस्या होती है। और इससे बहारी स्किन को बढ़ावा देती है।

पैट की समस्या होती है। और इससे बहारी स्किन को बढ़ावा देती है।

पैट की समस्या होती है। और इससे बहारी स्किन को बढ़ावा देती है।

पैट की समस्या होती है। और इससे बहारी स्किन को बढ़ावा देती है।

पैट की समस्या होती है। और इससे बहारी स्किन को बढ़ावा देती है।

पैट की समस्या होती है। और इससे बहारी स्किन को बढ़ावा देती है।

पैट की समस्या होती है। और इससे बहारी स्किन को बढ़ावा देती है।

पैट की समस्या होती है। और इससे बहारी स्किन को बढ़ावा देती है।

पैट की समस्या होती है। और इससे बहारी स्किन को बढ़ावा देती है।

पैट की समस्या होती है। और इससे बहारी स्किन को बढ़ावा देती है।

पैट की समस्या होती है। और इससे बहारी स्किन को बढ़ावा देती है।

पैट की समस्या होती है। और इससे बहारी स्किन को बढ़ावा देती है।

पैट की समस्या होती है। और इससे बहारी स्किन को बढ़ावा देती है।

पैट की समस्या होती है। और इससे बहारी स्किन को बढ़ावा देती है।

पैट की समस्या होती है। और इससे बहारी स्किन को बढ़ावा देती है।

पैट की समस्या होती है। और इससे बहारी स्किन को बढ़ावा देती है।

पैट की समस्या होती है। और इससे बहारी स्किन को बढ़ावा देती है।

पैट की समस्या होती है। और इससे बहारी स्किन को बढ़ावा देती है।

पैट की समस्या होती है। और इससे बहारी स्किन को बढ़ावा देती है।

पैट की समस्या होती है। और इससे बहारी स्किन को बढ़ावा देती है।

पैट की समस्या होती है। और इससे बहारी स्किन को बढ़ावा देती है।

पैट की समस्या होती है। और इससे बहारी स्किन को बढ़ावा देती है।

कोई आरोप कानून के अनुरूप नहीं

सीबीआई के गप्पे लेने के प्रताव पर बोले डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार

बैंगलुरु। कर्नाटक सरकार ने गुरुवार को उस प्रस्ताव को मंजुरी दे दी, जिसमें डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार के खिलाफ चल रही सीबीआई जांच को रद करने की बात कही गई थी। इस पर शिवकुमार ने कोई भी टिप्पणी देने से इकार कर दिया है। हालांकि, उन्होंने कहा कि उन्होंने राज्य मिनिस्टर के बारे में मीडिया रिपोर्ट देखी हैं, जो कानून के अनुरूप नहीं हैं।

कर्नाटक कांग्रेस के प्रमुख शिवकुमार, मुख्यमंत्री सिद्धारमेया की अध्यक्षता में गुरुवार को हुई कैविनेट बैठक में भी मौजूद नहीं थे। माना जा रहा है कि अब कांग्रेस सरकार इस मामले में सीबीआई को दी गई सहमति वापस लेने का आदेश जारी कर सकती है। शिवकुमार ने मीडिया से कहा, मैंने अखबार में देखा, मैं कल कैविनेट

बैठक में शामिल नहीं हो सका, इसको लेकर जिसे जो बोला है, वह बोले। शिवकुमार चानव प्रचार के लिए दो दिनों के लिए तेलगांव

के भीतर हटाने की मांग की गई है। इससे पहले एकल न्यायशिष्ठों ने शिवकुमार की उस याचिका को खारिज कर दिया था, जिसमें उन

बैठक

“कर्नाटक कांग्रेस के प्रमुख शिवकुमार, मुख्यमंत्री सिद्धारमेया की अध्यक्षता में गुरुवार को हुई कैविनेट बैठक में भी मौजूद नहीं थे।”

जा रहे हैं, इसको लेकर उन्होंने कहा, अगर पार्टी मुझसे प्रचार करना चाहता है तो सूचित किया कि सूप्रीम कोर्ट ने उच्च न्यायालय ने इसे खंडपीठ के समक्ष चुनौती दी, जिसने एकल न्यायालय के आदेश पर रोक लगा दी थी। इस रोक को हटाने के लिए सभापति के मामले में मुकदमा चलाने के



के लिए स्थगित कर दी। सीबीआई ने 15 नवंबर को उच्च न्यायालय को सूचित किया कि सूप्रीम कोर्ट ने उच्च न्यायालय ने इसे खंडपीठ के समक्ष चुनौती दी, जिसने एकल न्यायालय के आदेश पर रोक लगा दी थी। इस रोक को हटाने के लिए सभापति

पर मुकदमा चलाने के लिए सरकार द्वारा 25 सितंबर, 2019 को दी गई मंजुरी को चुनौती दी गई थी। इसके बाद सरकार ने उच्च न्यायालय के जांच शुरू की। इंडी की जांच आधार पर, सीबीआई ने उके खिलाफ मामला दर्ज करने के लिए राज्य सरकार से मंजुरी मांगी। राज्य सरकार ने 25 सितंबर, 2019 को मंजुरी दे दी थी। सीबीआई ने 3 अक्टूबर, 2020 को उके खिलाफ एक अवैधिक दर्ज की थी। सीबीआई ने दाव किया है कि शिवकुमार ने 74.93 करोड़ रुपये की संपत्ति अर्जित की, जो उकी आय के जात स्रोतों से अधिक है। 1 अप्रैल, 2013 से 30 अप्रैल, 2018 तक, जब वह तकलीफ सिद्धारमेया के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार (2013-2018) में ऊर्जा मंत्री थी।

राज्य सरकार ने 25 सितंबर, 2019 को मंजुरी दे दी थी। सीबीआई ने 3 अक्टूबर, 2020 को उके खिलाफ एक अवैधिक दर्ज की थी। सीबीआई ने दाव किया है कि शिवकुमार ने 74.93 करोड़ रुपये की संपत्ति अर्जित की, जो उकी आय के जात स्रोतों से अधिक है। 1 अप्रैल, 2013 से 30 अप्रैल, 2018 तक, जब वह तकलीफ सिद्धारमेया के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार (2013-2018) में ऊर्जा मंत्री थी।

राज्य सरकार ने अल दारा कंपनी के 8 कंपनीयों से जुड़े मामले में 26 अक्टूबर को फैसला सुनाया है। बागची ने कहा था कि अदालत ने जिन आरोपों में मौत की सजा सुनाई है, उन्हें अपील तक आधिकारिक तौर पर सर्वानिक नहीं किया गया है।

आपको बता दें, मामले में विदेश मंत्रालय करके अधिकारियों के साथ सक्रिय रूप से बातचीत कर रहा है। इसके अलावा, विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पूर्व नौमेन्ट कमिंगों के परिवार के सदस्यों से भी मुलाकात की है, जिन्हें सजा सुनाई गई है। बागची ने बाताता था कि अदालत ने जिन आरोपों में मौत की सजा सुनाई है, उन्हें अपील तक आधिकारिक तौर पर सर्वानिक नहीं किया गया है।

आपको बता दें, मामले में विदेश मंत्रालय करके अधिकारियों के साथ सक्रिय रूप से बातचीत कर रहा है। इसके अलावा, विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पूर्व नौमेन्ट कमिंगों के परिवार के सदस्यों से भी मुलाकात की है, जिन्हें सजा सुनाई गई है। बागची ने बाताता था कि अदालत ने जिन आरोपों में मौत की सजा सुनाई है, उन्हें अपील तक आधिकारिक तौर पर सर्वानिक नहीं किया गया है।

करके कोट कोट ने 26 अक्टूबर को आठ भारीयों को मौत की सजा सुनाई थी। कोट के इस फैसले को भारत सरकार ने चौकाने वाला बताया था। साथ ही मामले में सभी कानूनी विकल्प तलाशें की बात कही थी। कोट के फैसले के कुछ दिनों बाद एक अपील दायर कर दी गयी थी। बागची ने बताया कि मामला फिलहाल करके की कानूनी प्रक्रिया में है।

मुख्यमंत्री विजयन ने कांग्रेस पर साधा निशाना

कोडिङ्गोड (केरल)। केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने राज्य सरकार के चल रहे नव केरल सदा कार्यक्रम का बहिष्कार के बाद भी कई शहरों का एक्यूआई 300 के पार ही दर्ज किया जा रहा है।

प्रयास

“मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि नगर पालिका के खिलाफ विपक्ष के नेता की कार्रवाई को स्थानीय रूप से कानूनी नियंत्रण पर नियंत्रण स्थापित करने का प्रयास कराया।”

करके के अंकड़ों के मुताबिक, दिल्ली का आज AQI 388 रिकॉर्ड किया गया था। वही, केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीआई) के मुताबिक, विस्तरित एक्यूआई 417 दर्ज किया गया है। एक्यूआई हवा की गुणवत्ता आंकने का एक सूचकांक है, जिसके बारे में इसके अंतर्गत एक्यूआई 300 के नीचे रहा है। दरअसल, हवा की गुणवत्ता आंकने के एक सूचकांक है, जिसके बारे में इसके अंतर्गत एक्यूआई 100 के नीचे रहा है।

करके के अंकड़ों के मुताबिक, दिल्ली का आज AQI 321 और फैटावाद में एक्यूआई 417 दर्ज किया गया है। एक्यूआई हवा की गुणवत्ता आंकने का एक सूचकांक है, जिसके बारे में इसके अंतर्गत एक्यूआई 300 के नीचे रहा है। दरअसल, हवा की गुणवत्ता आंकने के एक सूचकांक है, जिसके बारे में इसके अंतर्गत एक्यूआई 100 के नीचे रहा है।

करके के अंकड़ों के मुताबिक, दिल्ली का आज AQI 388 रिकॉर्ड किया गया था। वही, केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीआई) के मुताबिक, विस्तरित एक्यूआई 417 दर्ज किया गया है। एक्यूआई हवा की गुणवत्ता आंकने का एक सूचकांक है, जिसके बारे में इसके अंतर्गत एक्यूआई 300 के नीचे रहा है। दरअसल, हवा की गुणवत्ता आंकने के एक सूचकांक है, जिसके बारे में इसके अंतर्गत एक्यूआई 100 के नीचे रहा है।

करके के अंकड़ों के मुताबिक, दिल्ली का आज AQI 321 और फैटावाद में एक्यूआई 417 दर्ज किया गया है। एक्यूआई हवा की गुणवत्ता आंकने का एक सूचकांक है, जिसके बारे में इसके अंतर्गत एक्यूआई 300 के नीचे रहा है। दरअसल, हवा की गुणवत्ता आंकने के एक सूचकांक है, जिसके बारे में इसके अंतर्गत एक्यूआई 100 के नीचे रहा है।

करके के अंकड़ों के मुताबिक, दिल्ली का आज AQI 388 रिकॉर्ड किया गया था। वही, केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीआई) के मुताबिक, विस्तरित एक्यूआई 417 दर्ज किया गया है। एक्यूआई हवा की गुणवत्ता आंकने का एक सूचकांक है, जिसके बारे में इसके अंतर्गत एक्यूआई 300 के नीचे रहा है। दरअसल, हवा की गुणवत्ता आंकने के एक सूचकांक है, जिसके बारे में इसके अंतर्गत एक्यूआई 100 के नीचे रहा है।

करके के अंकड़ों के मुताबिक, दिल्ली का आज AQI 321 और फैटावाद में एक्यूआई 417 दर्ज किया गया है। एक्यूआई हवा की गुणवत्ता आंकने का एक सूचकांक है, जिसके बारे में इसके अंतर्गत एक्यूआई 300 के नीचे रहा है। दरअसल, हवा की गुणवत्ता आंकने के एक सूचकांक है, जिसके बारे में इसके अंतर्गत एक्यूआई 100 के नीचे रहा है।

करके के अंकड़ों के मुताबिक, दिल्ली का आज AQI 388 रिकॉर्ड किया गया था। वही, केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीआई) के मुताबिक, विस्तरित एक्यूआई 417 दर्ज किया गया है। एक्यूआई हवा की गुणवत्ता आंकने का एक सूचकांक है, जिसके बारे में इसके अंतर्गत एक्यूआई 300 के नीचे रहा है। दरअसल, हवा की गुणवत्ता आंकने के एक सूचकांक है, जिसके बारे में इसके अंतर्गत एक्यूआई 100 के नीचे रहा है।

करके के अंकड़ों के मुताबिक, दिल्ली का आज AQI 321 और फैटावाद में एक्यूआई 417 दर्ज किया गया है। एक्यूआई हवा की गुणवत्ता आंकने का एक सूचकांक है, जिसके बारे में इसके अंतर्गत एक्यूआई 300 के नीचे रहा है। दरअसल, हवा की गुणवत्ता आंकने के एक सूचकांक है, जिसके बारे में इसके अंतर्गत एक्यूआई 100 के नीचे रहा है।

करके के अंकड़ों के मुताबिक, दिल्ली का आज AQI 388 रिकॉर्ड किया गया था। वही, केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीआई) के मुताबिक, विस्तरित एक्यूआई 417 दर्ज किया गया है। एक्यूआई हवा की गुणवत्ता आंकने का एक सूचकांक है, जिसके बारे में इसके अंतर्गत एक्यूआई 300 के नीचे रहा है। दरअसल, हवा की गु

